भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1207

03 दिसम्बर, 2024 को उत्तरार्थ

विषय: पानी की कम आवश्यकता वाली फसलों को बढ़ावा देना

1207. श्रीमती रूपकुमारी चौधरी:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा भू-जल के गिरते स्तर के समाधान के रूप में अन्य फसलें उगाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने और मार्गदर्शन करने के लिए कोई योजना कार्यान्वित की जा रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और छत्तीसगढ़ तथा महासमुंद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में इस योजना की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो सरकार द्वारा आगामी वर्षों में इस दिशा में क्या प्रयास किए जाने की संभावना है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री भागीरथ चौधरी)

(क) से (ग): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) छत्तीसगढ़ सहित राज्य सरकारों के प्रयासों में सहायता कर रहा है ताकि किसानों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) के तहत दलहन, मोटे अनाज, पोषक अनाज (श्री अन्न), राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ)-तिलहन के तहत तिलहन, समेकित बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) के तहत बागवानी जैसी कम पानी वाली फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। भारत सरकार प्रधानमंत्री-राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) के अंतर्गत राज्यों को राज्य-विशिष्ट आवश्यकताओं/प्राथमिकताओं के लिए लचीलापन भी प्रदान करती है।

छत्तीसगढ़ राज्य सरकार महासमुंद संसदीय क्षेत्र सहित राज्य में ग्रीष्मकालीन धान के बदले दलहन, तिलहन एवं मक्का फसल को प्रोत्साहन और द्विफसलियें क्षेत्र विस्तार प्रदर्शन कार्यक्रम योजनाओ को भी कार्यान्वित कर रही है।

कृषि उद्देश्य के लिए भूजल संसाधनों के सतत प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने लागत प्रभावी, स्थान विशिष्ट प्रौद्योगिकियों अर्थात् वर्षा जल संचयन उपायों और पुनर्चक्रण, वर्षा, सतह और भूजल के संयुक्त उपयोग और सूक्ष्म सिंचाई और संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकियों के उपयोग के अलावा सतह और भूजल संसाधनों का विकास किया है। इन चल रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत किसानों के प्रशिक्षण, किसान गोष्ठी, किसान मेले, एक्सपोजर विजिट और क्षेत्र प्रदर्शन का प्रावधान किया गया है। फसल पद्धति पर नई प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन राज्य कृषि विभाग/भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)/राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू)/कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) आदि के माध्यम से किसानों के खेतों पर किया जाता है।

*****